

Globalisation, Social Transformation and Development
(18-19 November, 2022)
28th International Conference
Rajasthan Sociological Association
Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Raj.)

The 28th International Conference of the Rajasthan Sociological Association was organised by the Department of Sociology, Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Raj.) on the 18th and 19th of November, 2022. After the thoughtful discussion amidst the reverend office bearers of this academic council, Dr. Rajendra Singh Kheechee – the active member of this academic forum was duly entrusted with the significant responsibility of conducting the conference. The preparation of this rendezvous began after the selection of the venue for the said conference. Thereafter the preparations were given a kind finesse with the executive meeting of the council, held on the 12th October 2022 in the Department of Sociology, Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Raj.).

11 जोधपुर, बुधवार, 12 अक्टूबर 2022
dainiknavajyoti.com

राजस्थान समाजशास्त्रीय परिषद की बैठक आज

नवज्योति/जोधपुर। राजस्थान समाजशास्त्रीय परिषद की कार्यकारिणी की बैठक व्यास विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में होगी। बैठक में परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष तथा अन्य सदस्य भाग लेंगे। आयोजन सचिव व समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह खींची ने बताया कि जोधपुर में नवम्बर माह में परिषद की 28 वीं कॉन्फ्रेंस आयोजित होना प्रस्तावित है। कॉन्फ्रेंस की तैयारी तथा उसकी रूपरेखा हेतु कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई है। बैठक में आयोजन स्थल, वक्ता तथा अन्य विषयों पर निर्णय लिया जाना प्रस्तावित है।



खुश खबर

जेएनवीयू के समाजशास्त्र विभाग की मेजबानी में होगा अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन

विभाग में तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

नवज्योति/जोधपुर। व्यास विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग राजस्थान समाजशास्त्रीय परिषद के 28 वें अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन की मेजबानी करेगा। अधिवेशन का 18 व 19 नवम्बर को आयोजन किया जाएगा। अधिवेशन की संयुक्त मेजबानी पहिला पीजी महाविद्यालय की रहेगी। अधिवेशन की तैयारियों के संबंध में बुधवार को बैठक में कई निर्णय लिए गए। अधिवेशन के

आयोजन सचिव एवं समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र सिंह खींची ने बताया कि राजस्थान समाजशास्त्रीय परिषद के 28 वें अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन की थीम वैश्वीकरण, सामाजिक रूपान्तरण तथा विकास रखी गई है। राजस्थान समाजशास्त्रीय परिषद की बैठक समाजशास्त्र विभाग में हुई। बैठक में परिषद अध्यक्ष डॉ. अशुतोष व्यास, उपाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, सचिव डॉ. सुशील त्यागी, विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. के.एन. व्यास तथा कोषाध्यक्ष डॉ. महेश नावारिया ने भाग लिया। जिसमें अलग अलग तकनीकी सत्रों का निर्धारण तथा वक्ता तय किए गए। डॉ. कृष्ण गहलोत को सह सचिव व डॉ. संदीप पुरोहित को निदेशक नियुक्त किया गया है। आयोजन सचिव डॉ. खींची ने बताया कि अधिवेशन में देश विदेश से प्रतिभागी भाग लेंगे। आगामी दिनों में पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी जावेगी।

This executive meeting had the following members -

Dr. Ashutosh Vyas (President, RSA), Dr. Subodh Kumar (Vice President, RSA), Dr. Sushil Tyagi (Secretary), Dr. Mahesh Nawaria (Treasurer), Prof. Kamal Singh Rathore (Head, Dept. Of Sociology), Prof. K.N. Vyas (Former Head, Dept. Of Sociology) and the other members of the Department.

The executive meeting was convened to discuss and finalise the programme structure of the technical sessions with the respectable names of the eminent speakers – duly invited for the rich oration and key note address to be delivered for the Inaugural and the Valedictory sessions. Besides the cultural program and other activities for the event was also charted out with the registration fees in this meeting. The council proposed Dr. Rajendra Singh Kheechee as the Organising Secretary of this event. Alongside this, Dr. Rishabh Gehlot – the Assistant Professor, Dept. Of Sociology, JNVU was entrusted with the responsibility of Co-Organising Secretary and Dr. Sandeep Purohit – the Assistant Professor, Dept. Of Sociology, Mahila P.G. Mahavidyalaya, Jodhpur was given the charge of Director to the conference. The executives also visited the college Mahila P.G. Mahavidyalaya , Pratap Nagar, Jodhpur after having finalised it as the venue for the said conference.



After almost five decades, the rendezvous of Rajasthan Sociological Association was to be held in Jodhpur. Hence the brochure of this respective conference was duly inaugurated by the benign grace of the respected Prof. K.L. Shrivastava, our honourable Vice Chancellor of Jai Narain Vyas University and by the kindness of Prof. K.L. Raigar, Dean Faculty of Arts and Social Sciences, JNVU.



ब्रोशर का विमोचन करते कुलपति श्रीवास्तव व अन्यजन।

राजस्थान समाज शास्त्रीय परिषद के अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन के ब्रोशर का विमोचन

जोधपुर, 1 नवम्बर (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग तथा महिला महाविद्यालय, के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान समाजशास्त्रीय परिषद का 28 वें अधिवेशन 18 व 19 नवंबर को होगा।

अधिवेशन के ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो के एल श्रीवास्तव, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो के एल रैगर, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो कमल सिंह राठीड़ व पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो के एन व्यास द्वारा किया गया। आयोजन सचिव डॉ राजेंद्र सिंह खीची ने बताया कि अधिवेशन का आयोजन महिला महाविद्यालय, प्रताप नगर में होगा। 300 से अधिक प्रतिभागियों के अधिवेशन में आने की संभावना है।

अधिवेशन निदेशक डॉ संदीप पुरोहित ने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। सह सचिव डॉ ऋषभ गहलोत के अनुसार इस अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में समानांतर सत्र चलाए जायेंगे जिससे सभी प्रतिभागियों को शोध पत्र प्रस्तुत करने का समुचित अवसर मिले।



समाज शास्त्रीय परिषद के 28 वें अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन के ब्रोशर का विमोचन कुलपति ने किया

नवज्योति/जोधपुर। व्यास विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग तथा महिला महाविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान समाजशास्त्रीय परिषद का 28 वें अधिवेशन 18 व 19 नवंबर को होगा। अधिवेशन के ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो के एल श्रीवास्तव, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो के एल रैगर, समाज शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो कमल सिंह राठीड़, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो के एन व्यास द्वारा किया गया। आयोजन सचिव डॉ. राजेंद्र सिंह खीची ने बताया कि लगभग पचास वर्ष के बाद समाजशास्त्र विभाग में इस प्रकार का

आयोजन होने पर कुलपति ने शुभकामनाएं प्रेषित की। अधिवेशन का आयोजन महिला महाविद्यालय, प्रताप नगर में होगा। डॉ. खीची के अनुसार लगभग 300 से अधिक प्रतिभागियों के अधिवेशन में आने की संभावना है। अधिवेशन निदेशक डॉ संदीप पुरोहित ने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है तथा बाहर से आने वाले अतिथियों के रुकने को व्यवस्था को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। सह सचिव डॉ ऋषभ गहलोत के अनुसार इस अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में समानांतर सत्र चलाए जायेंगे, जिससे कि सभी प्रतिभागियों को शोध पत्र प्रस्तुत करने का समुचित अवसर मिले।



On the evening (17 November, 2022) of convention a meeting was organized in the Jai Narain Vyas University guest house with organizing secretary of the Conference, Dr. Kheechee, along with the executive members of the Rajasthan Sociological Association regarding the preparation for convention.



On November 18th 2022, the two day International Conference was inaugurated in the morning at 10:30 am. The Inaugural session was felicitated by the reverend Mr. Govind Mathur, Former Chief Justice of the Allahabad High Court as the Chief Guest and Prof. Shruti Tambe – Head, Department of Sociology, Savitri Bai Phule University, Pune was the Key note speaker of this session. Prof. S.P. Vyas, the Chairman of Jai Narain Vyas Shikshan Sansthan, Jodhpur was invited as the special guest in this session. While the session was presided by the honourable Vice Chancellor, Prof. K.L. Shrivastava.

दैनिक नवज्योति

जेएनवीयू में समाजशास्त्रियों का महाकुंभ आज से सामाजिक मुद्दों पर होगा मंचन

नवज्योति/जोधपुर। व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के समाजशास्त्र विभाग व महिला पीजी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थान समाजशास्त्र परिषद का 28वां अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन 18 व 19 नवंबर को होगा। विश्वीकरण, सामाजिक रूपान्तरण व विकास विषय पर होने वाले इस अधिवेशन में राजस्थान भर से आने वाले समाजशास्त्री इसके विभिन्न आयामों पर चर्चा करेंगे। आयोजन संयोजक डॉ. राजेंद्र सिंह खेचेचे ने बताया कि इस अधिवेशन का उद्घाटन सुबह 10:30 बजे महिला महाविद्यालय, प्रताप नगर के परमेश जीधवाल सेमिनार हॉल में होगा। इसमें मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माधुर होंगे। जबकि मुख्य वक्ता पुणे की सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय की समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. श्रुति ताम्बे होंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएल श्रीवास्तव अध्यक्षता करेंगे व प्रो. एसपी व्यास विशिष्ट अतिथि होंगे। अधिवेशन के निदेशक डॉ. संदीप पुरोहित के अनुसार इसके अंतर्गत पांच तकनीकी सत्र होंगे। जिसमें लिंग इन रिलेशन, साइबर क्राइम, सोशल मीडिया का प्रभाव, एकल परिवार, सामाजिक अंतरांतर, भाषा का प्रभाव जैसे नवीन विषयों पर चर्चा की जाएगी। आरएसए के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष व्यास, संयोजक डॉ. मुर्शील कुमार त्यागी सहित सभी कार्यकारिणी सदस्य तैयारी के सिलसिले में एक दिन पूर्व ही जोधपुर पहुंच गए हैं। अधिवेशन से पूर्व आरएसए की कार्यकारिणी का बैठक भी होगी।

समाजशास्त्रिय परिषद का अधिवेशन आगाज आज, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश होंगे मुख्य अतिथि



Department of Sociology, Jai Narain Vyas University and Mahila PG Mahavidyalaya, Jodhpur (Raj.) cordially invites you on

INAUGURAL FUNCTION
of
XXVIII International Conference
(Rajasthan Sociological Association)
on
Globalization, Social Transformation and Development
on Friday, 18th November, 2022

Chief Guest
Hon'ble Justice Govind Mathur
Former Chief Justice, Allahabad High Court

Presided by
Prof. K. L. Shrivastava
Vice Chancellor, Jai Narain Vyas University, Jodhpur

Key Note Speaker
Prof. Shruti Tambe
Head, Deptt. of Sociology, Savitri Bai Phule Pune University, Pune

Guest of Honour
Prof. S. P. Vyas
Chairman, Jai Narain Vyas Shikshan Sansthan, Jodhpur

Time : 10:30 A.M.
Venue : S.N. Jodhawat Hall
Mahila PG Mahavidyalaya, Pratap Nagar, Jodhpur

Note: Valedictory Ceremony for the same is scheduled on 19.11.2022
Timing : 2:00 P.M. Venue : Mahila PG Mahavidyalaya, Jodhpur

Prof. Kamal Singh Rathore
Head, Deptt. of Sociology, JNVU, Jodhpur

Dr. Manorama Upadhyay
Principal, Mahila PG Mahavidyalaya

Dr. Sandeep Purohit **Dr. Rajendra Singh Kheechee** **Dr. Rishabh Gehlot**
Director Organizing Secretary Co-Organizing Secretary

The Inaugural session commenced with the spiritual invocation of Saraswati Vandana. Followed by this celestialty, Dr. Rajendra Singh Kheechee – the Organising Secretary extended a cordial welcome to the esteemed guests and thereon reflected profusely on the theme of the conference. The key note speaker Prof. Shruti Tambe analysed the thoughtful role of society while highlighting the rapid pace of social changes in the era of liberalisation. She opined that the presence of discrimination on the basis of colour, caste and religion in the society is an emerging obstacle in the way of India becoming a World Guru. The ideal of a welfare state without mainstreaming the marginalised seems to be a distant dream. The chief guest Mr. Govind Mathur enlightened the session with his deliberation on the role of constitutional values in the age of Globalisation. According to him, Globalisation can become a new weapon of exploitation owing to the lack of constitutional awareness. Presiding over the program, Prof. K.L. Shrivastava asserted that emphasis should be laid on the informed citizen while portraying the inter-relationship of the two distinct world of Globalisation and Information Technology. As per his point of view, society will remain backward and conservative owing to the lack of scientific thoughtfulness.





Prof. Diwakar Vyas, Florida University, USA marked his esteemed presence with the online mode of this conference via Zoom channel of communication technology. In his deliberation, he presented his vision on the core idea of sustainable development and social change. He further exemplified that the growth ratio of the nation can only be perceived with the increase in the production on a larger scale in the country. And with this it would gradually appear to be quite beneficial for every individual in society. The special guest, Prof. S.P. Vyas while reflecting on the role of women's education in social change, he asserted that the real change can only be witnessed with this ascending graph of Education. He conjectured that women centric policies can be the major source of transformation for India as a country with traditional society.



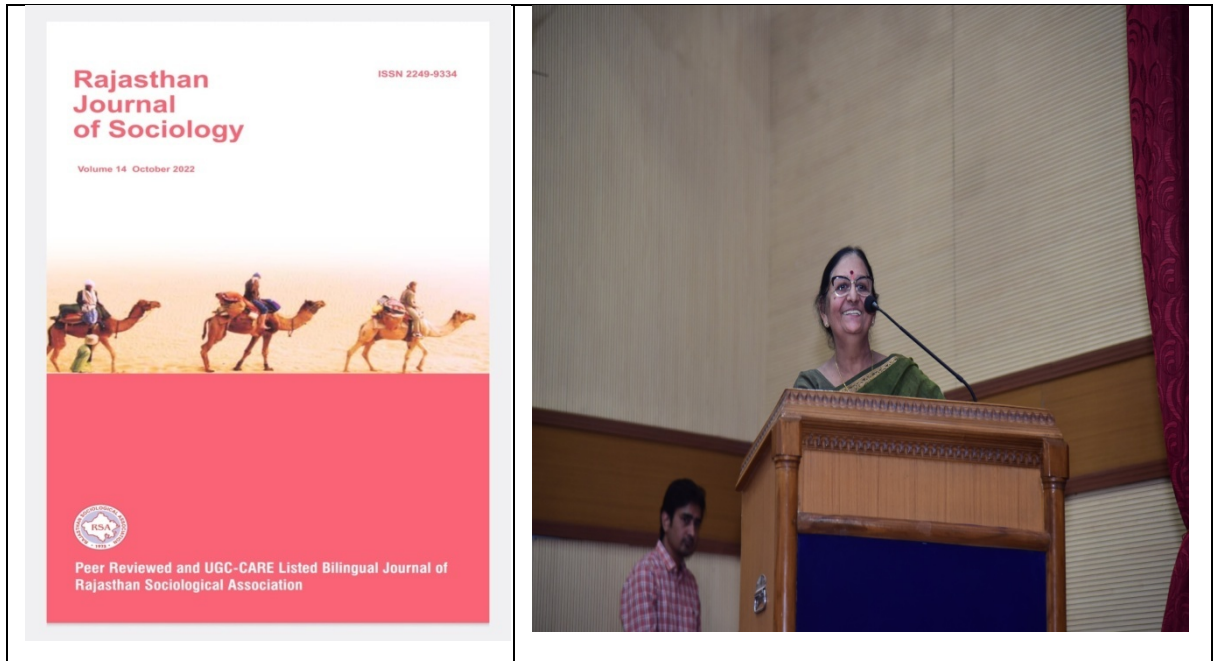
During the Inaugural session the eminent personalities like Prof. Arvind Agarwal, Prof. R.S. Shrivastava and Prof. P.C. Jain were felicitated with the life time achievement award for their significant contribution to the field of Sociology. These three Professors were duly honoured by the council with a

Shawl, Shrifal and Mementos. The felicitation address was also read out by various members pertaining to the fecund contribution and achievement of all three. The President of the council Prof. Ashutosh Vyas highlighted the achievements of the council in his rich oration.



The Journal of RSA was released by the guests during the Inaugural session itself. Prof. Kirti Rajimwale, the Chief editor of the Journal presented her kind thoughtfulness on the rich repertoire of the contributors to the Journal and also expressed her acknowledgement to their fecund contributions which adds a grace to the fine embodiment of the Journal. Prof. Kamal Singh Rathore, Head Department of Sociology, JNVU extended the gesture of cordial gratitude to all.





On the first day of the conference, three technical sessions were conducted. The first technical session was presided by the eminent Prof. Kirti Rajimwale and was co-chaired by Dr. Shruti Tandon. Dr. Seema Hatila was the repertoire of the session. Globalisation, Social Transformation and Development. Prof. Kirti Rajimwale in her Presidential address reflected on the parameters while deliberating on the sociological interpretation of development. She asserted that with the pace of Time, development is certain to be accommodated. Dr. Shruti Tandon professed the idea that Globalisation is a double edged sword. And it has amended the parameters of development.



The second technical session was chaired by Dr. Hariram Parihar. Dr. Mahesh Nawaria co-chaired the session and was the repertoire.

In this session on the topic of Globalisation and Education and Health Development, Dr. Parihar delivered his address on the role of civil society during the corona crisis. He opined that human values are always tested in the crucial times. While highlighting the demerits of Globalization he conjectured that it is the reality to be comprehended. Dr. Mahesh Nawaria lectured on the various provisions of the New Education Policy from the perspectives of Globalisation.



The third technical session was chaired by Dr. Dinesh Kumar Gehlot. Dr. Parvez Ali co-chaired the session while Dr. Usha Rathore was the repertoire for the session. In this session on the discipline of Human Rights and Globalisation, Dr. Dinesh Kumar Gehlot enlightened the aura with his rich vision on the Universal Declaration of Human Rights and Globalisation.

He proposed that in the present era of Globalisation, the happiness of the last person should be the parameter of Development. The co-chair person of this session Dr. Parvez Ali meditated on the manifestation of the Directive Principles of the Indian Constitution from the rational context of Globalisation.



After the three technical sessions of the First Day of the conference, the AGM meet of the executives of the council was convened in the Guest House of Jai Narain Vyas University at 6 pm in the evening.



Followed by this meeting a cultural fest was organized where the students enriched the aura with their beautiful presentations.





On 19th November 2022 - the second day of the conference, the technical sessions commenced from 9 am onwards. Parallel technical sessions were organised. The fourth technical session was chaired by Dr. Ashutosh Vyas and Dr. Rajshree Ranawat co-chaired the session. While, the repertoire

of the session was Dr. Ashutosh Vyas in his Presidential address reflected on the changing paradigms and development strategy of Rajasthan. And Dr. Rajshree Ranawat bestowed her grace with her portrayal of the status and significance of tradition and culture in the era of Urbanization.



The fifth session was held as a parallel session. Dr. Manorama Upadhyaya was the chair person of this session and Dr. Richa Bohra co-chaired the session. Dr. Mahesh Parihar was the repertoire of this session. Dr. Manorama Upadhyaya delivered the proliferation of ideas with a keen perception of the indigenous measures of ancient Indian Culture and the propagation of the ideal of Vasudev Kutumbhkam as a rich contribution of India to the vistas of World Literature. Dr. Richa Bohra profusely deliberated on the universal ideology of humanistic development in Indian literature and thereon exemplified with the concept of language and culture in the emerging trends of the sociology of literature.



The sixth technical session was presided over by Dr. Paresh Dwivedi and Dr. Subodh Kumar co-chaired the session. While Dr Geetika Kachhawah was the repertoire .



After the noontime of the 19th November, the Valedictory session was conducted. This session was festooned with the esteemed presence of Prof. Dalpat Singh Rajpurohit, University of Texas, Austin (USA) who joined the hybrid mode of this conference. He spoke on the comprehensive subject of womanhood while drawing a coherent connection between literature and society. He contemplated that with the change of social values the status of women' deliberation has also imbibed a new amendment. The chief guest of the Valedictory session was the erudite Prof. L. N. Harsh, Former Vice Chancellor, Agriculture University, Jodhpur. He asserted that Globalisation is just a single phase which eventually transforms with the change of time and thereon would present a new picture to the face of society.





Prof. K.N. Vyas as a special guest to the occasion showered his magnificence with a rich deliberation on the effects of Globalisation on Indian Society. He proposed that Globalisation has laid a fertile ground for the emergence of Regional Performances. Another guest of honour, Prof. D. S. Kheechee professed the idea that Globalisation is not just linked to the economic system but rather it affects comprehensively the complete evolution of society. Prof. K.L. Regar (Dean, Faculty of Arts) presided the program. He asserted that the events and incidents of society paves the ground for the evolution of new ideas in literature.



The program began with the welcome address of Dr. Manorama Upadhyaya, Principal, Mahila P.G. Mahavidyalaya. Meanwhile Prof. Kamal Singh Rathore, Head of the Department was all enamoured by the session and thereby reckoned the conference as a crown with glitters to the department. Dr. Rishabh Gahlot enlightened the aura with a detailed report of the conference.



The extensive proliferation of this academic fiesta was wrapped up beautifully with a finesse and rich repertoire of Dr. Rajendra Singh Kheechee who extended a warm note of gratitude to all with an overwhelming gesture.



At this event, the contributors and the workers were felicitated with the mementos.



The council members of Rajasthan Sociological Association extended an honour to Dr. Rajendra Singh Kheechee, Dr. Sandeep Purohit and Dr. Rishabh Gahlot for their extraneous endeavours to the success of this conference and also felicitated for their humble generosity and social kindness extended to the guests.



समाज शास्त्रीय परिषद के 28वें अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में पिकी व्यास ने किया पत्र वाचन, 300 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

जोधपुर/नवज्योति। राजस्थान समाज शास्त्रीय परिषद द्वारा 28वां दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन समाजशास्त्र विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं महिला पीजी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में विषय ग्लोबलाइजेशन, सोशल ट्रांसफॉर्मेशन एंड डेवलपमेंट पर किया गया। इस कार्यक्रम में उद्घाटन एवं समापन सत्रों के अतिरिक्त 5 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गोविंद माथुर, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय मुख्य वक्ता प्रोफेसर श्रुति तांबे, विभागाध्यक्ष सावित्रीबाई पुणे विश्वविद्यालय, पुणे कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर एल श्रीवास्तव, कुलपति जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एसपी व्यास अध्यक्ष, जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान, जोधपुर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कमल सिंह राठी, आरएसए अध्यक्ष डॉ. आशुतोष व्यास, सचिव डॉ. सुशील साइबर क्राइम पर पत्र वाचन किया। अपने पत्र में पिकी ने बताया कि वैश्वीकरण के युग में जहां हम 4जी और 5जी की सुविधा का आनंद ले रहे हैं वहीं इन सुविधाओं के दुष्प्रयोग से कई दुष्परिणाम भी दृष्टगत हो रहे हैं? कोरोना काल के समय में जहां शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट ने अपनी प्रमुख भूमिका निभाई है वहीं इस समय इंटरनेट एवं कई डिवाइसों का अत्यधिक उपयोग से नवयुवक एवं छात्रों को इसको लत लग गई है जो उनके आगामी जीवन के लिए उचित नहीं है। पिकी व्यास ने अपने निष्कर्ष में इन दुष्परिणामों से निपटने के लिए कई सुझाव भी प्रस्तुत किए। इस अधिवेशन में देशपर से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

दैनिक जलते दीप

विद्यता का गर्व सबसे बड़ा अज्ञान है।

जोधपुर, रविवार 20 नवम्बर 2022 मूल्य: 4.00 रु. पृष्ठ: 12

वैश्वीकरण विकास का एकमात्र चरण: हर्ष

राजस्थान समाजशास्त्र परिषद का अधिवेशन

जोधपुर, 19 नवंबर (कासं)। वैश्वीकरण, रूपांतरण तथा विकास विषय पर आयोजित राजस्थान समाजशास्त्र परिषद का 28वां अधिवेशन महिला महाविद्यालय, प्रताप नगर में आज सम्पन्न हो गया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अधिवेशन में पाँच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया।

आयोजन सचिव डॉ. राजेंद्र सिंह खीची ने बताया कि अधिवेशन को अमेरिका से दो स्पीकर डॉ. दिवाकर तथा प्रो. दलपत सिंह रानपुरीहित ने जुम से जुड़कर सम्बोधित किया। आज कुल तीन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. आरुतोष व्यास, प्रो. मनोरमा उपाध्याय तथा प्रो. परेज देवेदी ने

अलग अलग सत्रों की अध्यक्षता की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एल एन हर्ष ने कहा कि वैश्वीकरण विकास का एकमात्र चरण है। जो समाज के साथ परिवर्तित होकर दूसरे रूप में समाज के समक्ष पेश होगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. डी एस खीची ने कहा कि भारतीय समाज को ने कहा कि वैश्वीकरण ने अत्यधिक प्रभावित किया है लेकिन इससे स्थानीय प्रतिभाओं को भी मंच मिला है। सामाजिक परिवर्तन में यह एक महत्व की तरह है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. डी एस खीची ने वैश्वीकरण को महज आर्थिक अवधारणा मानने को समाज की प्रति बताया। उनके अनुसार

इसके लक्ष्यपूर्ण परिणाम समाज-के समक्ष आने बाकी है।

अध्यक्षता कर रहे कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. के एल रेगर के अनुसार सामाजिक परिवर्तन में साहित्य की भी भूमिका रही है। उनके अनुसार साहित्य समाज दर्शन होता है। व दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. कमल सिंह राठौड़ ने अधिवेशन को समाजशास्त्र विषय के विकास में महत्वपूर्ण आयाम बताया। अधिवेशन के निदेशक डॉ. संदीप पुरोहित ने बताया कि प्रारम्भ में प्राचार्या मनोरमा उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत किया। सह सचिव डॉ. ज्ञान महलोच ने बताया कि अंत में राजेंद्र सिंह खीची ने आभार प्रकट किया।

दैनिक प्रतिनिधि

निर्भाषिक अधिवेशन, स्वतंत्र धितन, सांस्कृतिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिरोध
 डि.नं. RND/11/13/77 के.सं.क. 'प्रभाषिक जोधपुर' 13/2021-22' एवं 45 'कॉल 83 'जोधपुर रविवार 20 नवम्बर 2022' प्रभाषिक 'सुधा लक्ष्मी व्यास

जोधपुर रविवार 20 नवम्बर 2022

समाजशास्त्र परिषद का अधिवेशन सम्पन्न

जोधपुर(नि.सं)। वैश्वीकरण, रूपांतरण तथा विकास विषय पर आयोजित राजस्थान समाजशास्त्र परिषद का 28वां अधिवेशन महिला महाविद्यालय में आज सम्पन्न हुआ। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस अधिवेशन में कुल पांच तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। सचिव डॉ. राजेंद्र सिंह खीची ने बताया कि इस अधिवेशन में अमेरिका से दो स्पीकर ऑनलाईन जुड़े थे। डॉ. दिवाकर तथा प्रो. दलपत सिंह राजपुरीहित ने जुम से जुड़कर सम्बोधित किया। आज कुल तीन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. आरुतोष व्यास, प्रो. मनोरमा उपाध्याय तथा प्रो. परेज देवेदी ने अलग-अलग सत्रों की अध्यक्षता की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एल एन हर्ष ने कहा कि वैश्वीकरण विकास का एकमात्र चरण है, जो समय के साथ

परिवर्तित होकर दूसरे रूप में समाज के समक्ष पेश होगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. के एन व्यास के अनुसार भारतीय समाज को वैश्वीकरण ने अत्यधिक प्रभावित किया है लेकिन इससे स्थानीय प्रतिभाओं को भी मंच मिला है। विशिष्ट अतिथि प्रो. डी एस खीची ने वैश्वीकरण को महज आर्थिक अवधारणा मानने को समाज की प्रति बताया। उनके अनुसार इसके दूरगामी परिणाम समाज के समक्ष आने बाकी है। अध्यक्ष कर रहे कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. के एल रेगर के अनुसार सामाजिक परिवर्तन में साहित्य की भी भूमिका रही है। उनके अनुसार साहित्य समाज दर्शन होता है। वे दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. कमल सिंह राठौड़ ने अधिवेशन को जोधपुर के समाजशास्त्र विषय के विकास में महत्वपूर्ण आयाम बताया। समापन समारोह में आचार्य मनोरमा उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व राजेंद्र सिंह ने आभार व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में डॉ. खीची को किया सम्मानित

नवज्योति/जोधपुर। राजस्थान समाजशास्त्रीय परिषद द्वारा 28वां दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन समाजशास्त्र विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं महिला पीजी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। अधिवेशन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि

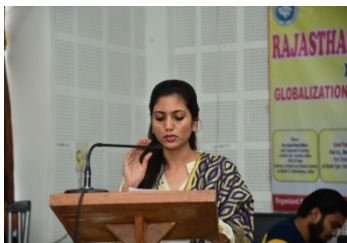


प्रो. एल. एन. हर्ष पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर, अध्यक्षता जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. के. एल. रेगर द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि प्रो. डी. एस. खीची व प्रो. के. एन. व्यास थे। अधिवेशन के भव्य एवं उत्कृष्ट आयोजन के लिए पूरी

टीम के साथ इस अधिवेशन के आयोजन सचिव डॉ. राजेंद्र सिंह खीची को आरएसए द्वारा स्मृति चिन्ह, आरएसए अंकित दुपट्टा व

श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। डॉ. राजेंद्र सिंह खीची को सम्मानित करने के लिए आरएसए अध्यक्ष आशुतोष व्यास, उपाध्यक्ष सुबोध कुमार,

सचिव सुशील त्यागी, कोषाध्यक्ष महेश नावरिया सहित आरएसए कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। डॉ. खीची का यह सम्मान पचास वर्ष बाद जोधपुर में आरएसए के अधिवेशन का कुशलता व सफलता पूर्वक आयोजन हेतु किया गया।





A handwritten signature in blue ink, appearing to read "R. S. Kheechee".

(Dr. Rajendra Singh Kheechee)
Organizing Secretary